

## महामारी के दौरान जीवन बचाने के लिए सुव्यवस्थित एलएमओ आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए कुशल भारत ने ऑक्सीजन टैंकर चालकों का प्रशिक्षण शुरू किया

- 2800 चालकों को खतरनाक रसायनों और तरल ऑक्सीजन को लाने-ले जाने के लिए प्रशिक्षित करना
- भारी मोटर वाहनों के चालकों की फिजिकल ट्रेनिंग आयोजित करने के लिए 120 मास्टर ट्रेनर
- कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय (लॉजिस्टिक्स डिवीजन) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से रसद कौशल परिषद द्वारा कार्यान्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पूरे भारत में 350 से अधिक स्थानों पर प्रशिक्षण दिया गया

**मुंबई, 25 जून, 2021:** कोविड-19 ने लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) की अप्रत्याशित मांग पैदा कर दी। लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन के संचालन और परिवहन में प्रशिक्षित पर्याप्त कुशल एलएमओ ड्राइवरों की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ गयी। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ मिलकर काम कर रही है; और वाणिज्य मंत्रालय, लॉजिस्टिक्स डिवीजन ने खतरनाक रसायनों और तरल ऑक्सीजन लाने-ले जाने के लिए ड्राइवरों का प्रशिक्षण शुरू किया है। एलएमओ मैन्युफैक्चरर्स, एलएमओ ट्रांसपोर्टर्स, इंडियन केमिकल काउंसिल जैसे कई हितधारकों को शामिल करते हुए, प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ऑक्सीजन टैंकरों के परिवहन के लिए 2,800 ड्राइवरों का एक पूल बनाना है, जो सभी अस्पतालों में कोविड-19 के चिकित्सा प्रबंधन के लिए सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है।



भारी मोटर वाहन (एचएमवी) चलाने का पहले से अनुभव रखने वाले ड्राइवरों के लिए क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आज महाराष्ट्र और तमिलनाडु में लिंडे-प्रक्सेयर तलोजा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट, मुंबई और (टीएनएसडीसी) तमिलनाडु एपेक्स स्किल डेवलपमेंट सेंटर ओरगडम, चेन्नई में शुरू हुआ। महाराष्ट्र में, लिंडे तलोजा प्लांट के लॉन्च कार्यक्रम में सतीश पाटिल-प्लांट हेड, लिंडे प्रक्सेयर; एनके पवार-हेड डिलीवरी सप्लाइ ऑफिसर, लिंडे प्रेक्सेयर; सोबिन्स कुरियाकोस-स्टेट एंगेजमेंट ऑफिसर, एनएसडीसी; और गोपाल मणि-क्षेत्रीय प्रतिनिधि, एलएससी शामिल हुए। कार्यक्रम में सुरक्षात्मक ड्राइविंग, खतरनाक सामग्री और एलएमओ हैंडलिंग और परिवहन पर प्रशिक्षण शामिल होगा। एचएमवी ड्राइवरों के रूप में अनुभवी पूर्व सैनिकों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे इस पहल को बढ़ाने के लिए अपने बहुमूल्य अनुभव का योगदान कर सकें।



इस पहल के बारे में बात करते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, डॉ महेंद्र नाथ पांडे ने कहा, “कोरोना वायरस महामारी एक आर्थिक और सामाजिक संकट है, जिसके लिए हम सभी को एक लचीला ऑपरेटिंग मॉडल बनाने के लिए एक साथ आने की जरूरत है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, एमएसडीई अन्य मंत्रालयों को कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्यबल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एक मजबूत प्रतिभा प्रशिक्षण और विकास कार्यनीति बनाने के लिए अपने कौशल इकोसिस्टम के साथ काम कर रहे हैं। एमएसडीई प्रशिक्षित ड्राइवरों के माध्यम से ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाने और कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में योगदान करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ सहयोग करने से प्रसन्नता हुई।”



**कौशल विकास के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए गए लिंक का अनुसरण करें:**

PMKVY Facebook: [www.facebook.com/PMKVYOfficial](http://www.facebook.com/PMKVYOfficial)

Skill India Facebook: [www.facebook.com/SkillIndiaOfficial](http://www.facebook.com/SkillIndiaOfficial)

Skill India Twitter: [www.twitter.com/@MSDESkillIndia](http://www.twitter.com/@MSDESkillIndia)

Skill India YouTube: <https://www.youtube.com/channel/UCzNfVNX5yLEUhIRNZJKniHg>